ठाकुर जगदेव चन्द स्मृति शोध संस्थान
नेरी, हमीरपुर हि.प्र. - 177001

पंजीकरण फार्म/Registration Form
राष्ट्रीय परिसंवाद/National Seminar

विषय : भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन :
वृत्तान्त, स्मृतियां एवं नेपथ्य-नायक

कलियुगाब्द 5123, विक्रमी संवत् 2078
मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा–02 (04–05 दिसम्बर, 2021)

1. नाम/Name : .....
2. पद/Designation : .....
3. सम्बद्धता/Affiliation : .....
4. पत्राचार पता/Postal Address : .....
.....
.....
5. शैक्षणिक योग्यता/Academic Qualification : .....
.....
.....
6. ई-मेल/E-Mail : .....
7. फोन/मो.न./Ph./ Mob.No. : .....
8. शोध पत्र वाचन का विषय/ Title of the Research Article :
.....
.....
.....
9. पंजीकरण शुल्क विवरण/Details of Registration Fee : .....
.....
.....

तिथि/Date : .....

स्थान/Place : ..... हस्ताक्षर/Signature

मार्गदर्शक मण्डल

श्री विजय मोहन कुमार पुरी
अध्यक्ष, इतिहास शोध संस्थान नेरी, हमीरपुर
प्रो. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री
सलाहकार, संस्कृति मन्त्री, भारत सरकार
डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय
राष्ट्रीय संगठन सचिव, अ.भा.इ.सं.यो.समिति
श्री भूमिदत्त शर्मा
महासचिव, इतिहास शोध संस्थान नेरी, हमीरपुर
डॉ. चेतराम गर्ग
निदेशक, इतिहास शोध संस्थान नेरी, हमीरपुर
प्रो. सत प्रकाश बंसल
कुलपति, हि.प्र.केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
प्रो. सिकन्दर कुमार
कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
प्रो. कुमार रत्नम्
सदस्य सचिव, आई.सी.एच.आर., नई दिल्ली
डॉ. सुरेश सोनी
अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला
डॉ. अमरजीत शर्मा
निदेशक, हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा निदेशालय
प्रो. नारायण सिंह राव
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, हि.प्र.के. वि.वि.
डॉ. अरुण कुमार
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, हि.प्र.वि.वि.
प्रो.ओम प्रकाश शर्मा
निदेशक - वैचारिक पक्ष, इ.शो.सं. नेरी, हमीरपुर
प्रो. भाग चन्द चौहान
निदेशक-सह-वैचारिक पक्ष, इ.शो.सं. नेरी, हमीरपुर

आयोजन समिति

डॉ. राघवेन्द्र यादव (सह-संयोजक)
डॉ. राकेश कुमार शर्मा (सह-संयोजक)

डॉ. विकास शर्मा
श्री सुरेन्द्र नाथ शर्मा
श्री प्यार चन्द परमार
श्री नरेन्द्र कुमार नन्दा
श्री देशराज शर्मा
डॉ. सूरत ठाकुर
डॉ. एम.आर. शर्मा
श्री विजय शर्मा
श्री जगवीर चंदेल
डॉ. बी.आर. ठाकुर
डॉ. मनोज शर्मा
डॉ. अंकुश भारद्वाज
डॉ. शिव भारद्वाज
डॉ. नन्दलाल ठाकुर
प्रो. रोशनी भारद्वाज
प्रो. महेन्द्रपाल
प्रो. महेन्द्र
डॉ. जोगेन्द्रपाल शर्मा
डॉ. महेश शर्मा
प्रो. शक्ति सिंह
श्री प्रवीण भट्टी
डॉ. नरेश कुमार
डॉ. ज्योति पराशर
डॉ. विनय कुमार
डॉ. दिनेश कुमार
प्रो. सन्नी अटवाल
प्रो. राजेन्द्र कुमार
प्रो. रामपाल
श्री ऋषि भारद्वाज
श्री मोहित डंकन

ॐ
नामूलं लिख्यते किञ्चित्

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
द्वारा प्रायोजित

राष्ट्रीय परिसंवाद

भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन : वृत्तान्त, स्मृतियां एवं नेपथ्य-नायक

कलियुगाब्द 5123, विक्रमी संवत् 2078,
मार्गशीर्ष शुक्ल प्रतिपदा–02 (04–05 दिसम्बर, 2021)

आयोजक
इतिहास शोध संस्थान नेरी (हि.प्र.)
एवं
इतिहास संकलन योजना समिति, हिमाचल प्रदेश
इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला

परिसंवाद स्थल
इतिहास शोध संस्थान
गांव व डा. नेरी, जिला हमीरपुर (हि.प्र.)- 177001,
ई-मेल : seminarneri@gmail.com

संयोजक
डॉ. कंवर चन्द्रदीप सिंह
सह-आचार्य, इतिहास विभाग
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
दूरभाष : 95318 04179
ई-मेल : kanwarchanderdeep@gmail.com

आयोजन सचिव
डॉ. राजकुमार
सहायक आचार्य, इतिहास विभाग
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केन्द्र
धर्मशाला, दूरभाष: 82197 08010
ई-मेल : rajkumar.hp2505@gmail.com

ठाकुर जगदेव चन्द स्मृति शोध संस्थान
नेरी, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

शोध संस्थान की पृष्ठभूमि

शोध संस्थान नेरी, हिमाचल प्रदेश की हरी-भरी पहाड़ियों के बीच हमीरपुर जिले में स्थित है। यह संस्थान इतिहास और संस्कृति में उच्च शिक्षा के लिए समर्पित है, इसमें नए दृष्टिकोण और विचार प्रदान करने पर स्पष्ट बल दिया गया है। संस्थान स्थापित अवधारणाओं को वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य प्रदान करके राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व के विषयों पर इतिहास में शोध कर रहा है। वर्ष 2022 में संस्थान इतिहास के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान पर अपने दो दशकों का सेवाकाल पूरा करने जा रहा है। शोध संस्थान नेरी का हिमाचल प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों से सड़क मार्ग से सुगम सम्पर्क है। निकटतम रेलवे स्टेशन अम्ब-अंदौरा (ऊना) में है जो संस्थान से डेढ़ घंटे की दूरी पर है और निकटतम हवाई अड्डा गगल (कांगड़ा) जो ढाई घंटे की दूरी पर है। गुरुकुल के सनातन मॉडल पर परिकल्पित संस्थान शोधकर्ताओं को उदार सुविधाएं प्रदान करता है जिसमें– पुस्तकालय, वाचनालय, अतिथि गृह, भोजनालय के साथ-साथ पुरुष व महिला शोधार्थियों के लिए अलग-अलग आवासीय सुविधाएं शामिल है।

परिसंवाद की अवधारणा एवं उद्देश्य

19वीं शताब्दी में भारतीयों की राष्ट्र भावना के अपूर्व विकास में विभिन्न कारकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वधर्म एवं स्वराज के लिए किया गया यह संघर्ष बहुआयामी था। तत्कालिक प्रमुख भारतीय राजनैतिक नेतृत्व के समानांतर समसामायिक अनेक वैचारिक धाराएं विकसित हुई जो विविध पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व कर रहीं थी। इन वैचारिक धारणाओं में कुछ विशेष धाराओं को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्ता दी गई तथा सामान्य जन के बीच प्रसारित किया गया। वहीं अन्य अवधारणाओं एवं विचारों जिनके बिना स्वतंत्रता के संघर्ष की गाथा अधूरी है को संक्षेपित कर दिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए प्रयासरत यह अपेक्षित धाराएं प्रमुख रूप से 'स्व' तत्व को केंद्र-बिंदु मानकर क्रियाशील थीं, जिन्होंने अपने नैतिक मूल्यों, संस्कृति, रीति-रिवाज, कला, साहित्य इत्यादि को अधिक महत्व दिया था। स्वतन्त्रता के 75वें वर्ष के अन्तर्गत 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में आयोजित यह परिसंवाद इसी 'स्व' कारक पर मौलिक रूप से केन्द्रित है। इसमें नेपथ्य नायकों और नायिकाओं के योगदान को भी समावेशित किया गया है, जिन्होंने स्वयं को स्वराज्य के आदर्शात्मक स्वरूप के प्रति समर्पित कर दिया। इस परिसंवाद में हम विशेष रूप से हिमालयी राज्य हिमाचल प्रदेश का स्वाधीनता संग्राम में वैचारिक एवं भौतिक योगदान पर विचार करने के लिए अभिप्रेरित हैं तथा इसके प्रसार एवं अनुसंधान के नए रास्ते खोलने को लेकर भी प्रतिबद्ध हैं। स्व-जागरण में जनसाधारण सहित विभिन्न समूहों की भूमिका पर मंथन भी इस परिसंवाद का महत्वपूर्ण विषय है।

परिसंवाद के प्रमुख विषय

परिसंवाद का शीर्षक व्यापक है तथा इसमें वे सभी पहलू शामिल किए गए हैं जिन्होंने उपनिवेश विरोधी संघर्ष को बल प्रदान किया। परिसंवाद को स्पष्ट एवं सारगर्भित बनाने के लिए इसे विभिन्न उप-विषयों में विभाजित किया गया है लेकिन वे अनन्य नहीं हैं तथा परिसंवाद में मापदण्डों के भीतर अकादमिक स्वतन्त्रता अनुज्ञेय है। जिन विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, उनमें निम्नलिखित शामिल होंगे, परन्तु संवाद केवल इतने तक सीमित नहीं होगा –

1. स्वराज, सर्वोदय और स्वदेशी के नैतिक मूल्य
2. भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन पर धार्मिक प्रभाव
3. सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन और राष्ट्रवाद पर उनका प्रभाव
4. साहित्यिक राष्ट्रवाद और उसकी परम्पराएं
5. उपनिवेशवाद विरोधी कला भाव
6. भारतीय नारी एवं स्वाधीनता
7. हिमालय में स्वतन्त्रता संग्राम पर विचार
8. देशभक्त और देशभक्ति : हिमाचल प्रदेश के स्वतन्त्रता नायक
9. अनसुने नेपथ्य वृत्तान्त : जनश्रुतियां, किस्से और किंवदंतियां

शोध पत्र सम्बन्धी आवश्यक तिथियां

शोध पत्र सारांश प्राप्ति
(Abstract Submission) : 10 अक्तूबर, 2021
विस्तृत शोध पत्र प्राप्ति
(Full Article Submission) : 30 अक्तूबर, 2021
पंजीकरण (Registration) : 30 अक्तूबर, 2021

पंजीकरण शुल्क

शोध पत्र लेखक विद्वान : रु. 500.00
शोधार्थी : रु. 300.00
विद्यार्थी : : रु.100
खाता नाम : ठाकुर जगदेव चन्द स्मृति शोध संस्थान नेरी, हमीरपुर
खाता संख्या : **11500210001851**
यूको बैंक, हमीरपुर, हि.प्र.
आईएफएससी कोड : **UCBA0001150**

आवास एवं भोजन

प्रतिभागी विद्वानों तथा शोधकर्त्ताओं के आवास एवं भोजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी। स्थानीय यातायात की व्यवस्था शोध संस्थान आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाएगा।

शोध पत्रों का प्रकाशन

इस राष्ट्रीय परिसंवाद में प्रस्तुत शोध पत्रों का प्रकाशन ठाकुर जगदेव चन्द स्मृति शोध संस्थान पुस्तक रूप में करेगा। प्रकाशन के लिए मौलिक शोध पत्रों को ही अधिमान दिया जाएगा। शोध पत्र आदर्श रूप से 4000 से 6000 शब्दों के बीच उचित संदर्भ के साथ अपेक्षित है। शोध पत्र सारांश हिन्दी फॉन्ट **kruti dev 010**, साइज 14 और अंग्रेजी फॉन्ट **Times New Roman** साइज 12 में ई-मेल **seminarneri@gmail.com** पर भेज सकते हैं।